05.10.2023:—पत्रावली आज वादी अधिवक्ता के प्रार्थना पत्र पर पेशी मे लिया गया। मूल वाद पत्र मे राजीनामा हो गया। वादी वकील ने फर्द अहकाम पर NO PREES का अंकन किया। मूल वाद पत्र मे राजीनामा होने के कारण प्रार्थना–पत्र मे कोई कार्यवाही शेष नही रह जाती। मूल वादपत्र राजीनामा होने के कारण प्रार्थी उक्त प्रार्थना–पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर.टी. ए. वर्तमान स्तर पर ही खारिज किया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरबीज तकमील दाखिल दफ्तर हो।

सहायक कलक्टर
एवं उपखण्ड अधिकारी
हनुमानगढ़

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

Signature Not Verified

Digitally signed by Divya
Date: 2024.05.21 21:17:24 IST
Reason: SelfAttested